विश्व स्वास्थ्य सभा का 76वाँ सत्र

प्रिलिम्स के लिये:

विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व स्वास्थ्य सभा, G20, आयुष्मान भारत

मेन्स के लिये:

विश्व स्वास्थ्य सभा में भारत की भागीदारी, विश्व स्वास्थ्य संगठन की कार्यप्रणाली, **चिकित्सा पर्यटन में भारत का योगदान और महत्त्व**

चर्चा में क्यों?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के मुख्यालय जिनेवा, **स्विट्ज़रलैंड** में **21 से 30 मई, 2023** तक **76वीं** वार्षिक विश्व स्वास्थ्य सभा का आयोजन किया गया।

- वर्ष 2023 की थीम है- **"WHO at 75: Saving lives, driving health for all."**
- 76वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की भागीदारी ने**वैश्विक स्वास्थ्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता** को उजागर किया।
- **चीन और पाकिस्तान के विरोध** के कारण **ताइवान को WHO की बैठक से बाहर कर दिया गया था।**

विश्व स्वास्थ्य सभा:

- **परिचय:**
  - **विश्व स्वास्थ्य सभा (WHA),** WHO की निर्णय लेने वाली संस्था है, जिसमें WHO के सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया।
  - यह वार्षिक रूप से WHO के मुख्यालय, **जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड** में आयोजित की जाती है।
- **WHA के कार्य:**
  - संगठन की नीतियों पर निर्णय लेना।
  - WHO के महानिदेशक की नियुक्ति।
  - वित्तीय नीतियों का प्रशासन।
  - प्रस्तावित कार्यक्रम हेतु बजट की समीक्षा और अनुमोदन।

प्रमुख बिंदु:

- **स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य के लिये वैश्विक योजना:**
  - **स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य के लिये एक वैश्विक कार्ययोजना विकसित करने हेतु** मसौदा प्रस्ताव स्वीकार किया गया।
    - इस **योजना पर वर्ष 2026 में 79वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में विचार** किया जाएगा।
  - स्थानीय लोगों के साथ परामर्श और उनकी स्वतंत्र, पूर्व एवं सूचित सहमति पर ज़ोर देना।
  - **गरीबी, हिंसा, भेदभाव और स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुँच** जैसी चुनौतियों का समाधान करना।
  - **प्रजनन, मातृ और किशोर स्वास्थ्य, कमज़ोर स्थितियों** पर ध्यान देना।
  - सदस्यों से स्थानीय लोगों की विशिष्ट आवश्यकताओं की पहचान करने के लिये नैतिक डेटा एकत्र करने का आग्रह करना।
  - **स्थानीय आबादी के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार लाना।**
- **ड्राउनिंग से होने वाली मौतों की रोकथाम के लिये वैश्विक गठबंधन:**
  - **76वीं WHA बैठक के दौरान डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम के लिये वैश्विक गठबंधन (Global Alliance for Drowning Prevention)** की स्थापना की गई।
  - वर्ष 2029 तक डूबने/ड्राउनिंग से जुड़ी वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

- **WHO कार्रवाई का समन्वय करेगा और ड्राउनिंग पर एक वैश्विक स्थिति** रिपोर्ट तैयार करेगा।
    - ड्राउनिंग से होने वाली मौतों की 90% से अधिक घटनाएँ निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं।
  - ड्राउनिंग से होने वाली मौतों के आधिकारिक वैश्विक अनुमान को काफी कम करके आँका जा सकता है क्योंकि इसमें बाढ़ से **संबंधित जलवायु घटनाओं और जल परिवहन के दौरान होने वाली घटनाओं में डूबने वालों के आँकड़ों को शामिल नहीं** किया जाता है।
- **रसायन, अपशिष्ट और प्रदूषण पर मसौदा संकल्प:**
  - 76वीं विश्व स्वास्थ्य सभा के दौरान **रसायन, अपशिष्ट और प्रदूषण प्रभाव पर मसौदा प्रस्ताव** स्वीकार किया गया।
  - **WHO ने संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के साथ अंतःस्रावी विघटनकारी रसायन रिपोर्ट** को अद्यतन करने का आग्रह किया।
  - **रासायनिक जोखिम और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर सीमित डेटा को लेकर प्रकाश डाला** गया है।
  - यह प्रारूप **कैडमियम, सीसा, पारा आदि जैसे खतरनाक रसायनों हेतु नियामक ढाँचे, बायोमॉनीटरिंग और जोखिम पहचान** हेतु प्रोत्साहित करता है।
  - इसमी खराब **रासायनिक अपशिष्ट प्रबंधन और दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों** पर चिंता व्यक्त की गई है।
  - मा**नव स्वास्थ्य के निहितार्थ और डेटा अंतराल पर WHO रिपोर्ट** हेतु अनुरोध किया गया है।
  - **लिंग, आयु, विकलांगता और हानिकारक पदार्थों पर डेटा संग्रह** को महत्त्व प्रदान करना।
- **WHO कार्यक्रम बजट:**
  - WHO के सदस्य देशों ने वर्ष 2024-2025 हेतु 6.83 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बजट पर सहमति व्यक्त की, **जिसमें निर्धारित योगदान में 20% की वृद्धि शामिल है।**
  - पिछले कुछ वर्षों में मूल्यांकन किये गए योगदानों में गिरावट आई है, जो **WHO के वित्तपोषण के एक-चौथाई से भी कम हेतु ज़िम्मेदार है।**
  - शीर्ष योगदानकर्त्ताओं में **जर्मनी, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय आयोग** शामिल हैं।
  - स्वैच्छिक योगदान पर WHO की निर्भरता **शासन संबंधी चिंताओं को उजागर** करती है और निरंतर तकनीकी सहयोग एवं लक्ष्य प्राप्ति की दिशा को प्रभावित करती है।
  - वर्ष 2023 तक सभी के स्वास्थ्य में सुधार हेतु प्रभावी तकनीकी सहयोग प्रदान करने और **ट्रिपल बिलियन लक्ष्य** को प्राप्त करने की WHO की क्षमता में बाधा डालने वाले कारकों पर प्रकाश डाला गया।

नोट:

ट्रिपल बिलियन लक्ष्य: ट्रिपल बिलियन लक्ष्य सरल और सुगम है। WHO का लक्ष्य वर्ष 2023 तक निम्नलिखित की प्राप्ति है:

- 1 अरब से अधिक लोगों को सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज से लाभान्वित करना।
- 1 अरब से अधिक लोगों को स्वास्थ्य आपात स्थितियों से बेहतर ढंग से सुरक्षित करना
- 1 अरब से अधिक लोगों को बेहतर स्वास्थ्य और खुशहाली प्रदान करना।

- **पुनः पूर्ति तंत्र:**
  - सदस्य राज्यों ने **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के लिये वित्त के अनुकूल विकल्प प्रदान करने हेतु एक नए पुनः पूर्ति तंत्र** को स्वीकार किया।
  - वर्तमान में **विश्व स्वास्थ्य संगठन का अधिकांश वित्त विशिष्ट स्वैच्छिक योगदान** से आता है जिससे आवश्यकतानुसार वित्त को स्थानांतरित किया जा सकता है।
  - पुनः पूर्ति तंत्र का उद्देश्य **विश्व स्वास्थ्य संगठन के आधार खंड के गैर-वित्तीय हिस्से को कवर करने** और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये **स्वैच्छिक योगदान बढ़ाना है।**

WHO वित्तपोषण:

- **निर्धारित मूल्यांकन:**
  - इसकी गणना किसी देश के सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में की जाती है
  - **WHO के कुल बजट में 20% से कम हिस्सेदारी**
  - इसे विश्व स्वास्थ्य सभा में प्रत्येक दो वर्ष में अनुमोदित किया जाता है
- **स्वैच्छिक योगदान:**
  - संगठन के वित्तीयन के **तीन-चौथाई** से अधिक के लिये खाता
  - **सदस्य राज्यों और अन्य भागीदारों** द्वारा
  - आगे लचीलेपन के आधार पर वर्गीकरण:
    - **मूल स्वैच्छिक योगदान (CVC):**
      - यह पूर्णत: **बिना शर्त** और लचीलेपन के **सभी स्वैच्छिक योगदानों का 4.1%** प्रतिनिधित्व करता है।
    - **विषयगत और रणनीतिक भागीदारी निधि:**
      - **आंशिक रूप से लचीला,** वर्ष 2020-2021 में सभी स्वैच्छिक योगदान के 7.9% का प्रतिनिधित्व करता है।
    - **निर्दिष्ट स्वैच्छिक योगदान:**
      - सभी स्वैच्छिक योगदानों के 88% का प्रतिनिधित्व करने वाले **विशिष्ट कार्यक्रम संबंधी क्षेत्रों** और/या भौगोलिक स्थानों के लिये कड़ाई से **निर्धारित।**

- **महामारी प्रतिक्रिया अनुदान:**
  - WHO महामारी सहित वैश्विक स्वास्थ्य आपात स्थितियों की प्रतिक्रिया पर विभिन्न स्रोतों से अतिरिक्त वित्तपोषण प्राप्त करता है।
  - कोविड-19 **एकजुटता प्रतिक्रिया कोष** की स्थापना कोविड-19 महामारी के दौरान सरकारों, संगठनों और व्यक्तियों से योगदान प्राप्त करने के लिये की गई थी।

- **भारत की भागीदारी:**
  - इसने वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों के सहयोग और लचीलेपन के महत्त्व पर बल दिया।
  - भारत ने **100 से अधिक देशों को 300 मिलियन COVID-19 वैक्सीन वितरण** में योगदान दिया।
  - योग और आयुर्वेद जैसी पारंपरिक प्रणालियों के महत्त्व पर बल दिया।
  - **WHO** ने भारत में पारंपरिक चिकित्सा के लिये वैश्विक केंद्र की स्थापना का ज़िक्र किया।
  - G20 थीम **'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य'** का समर्थन किया।
  - स्वास्थ्य सेवा और आयुष्मान भारत योजना में भारत की उपलब्धियों को साझा किया।
  - WHO के निम्न और मध्यम आय वाले सदस्य देशों का समर्थन करने की इच्छा व्यक्त की।
  - मेडिकल वैल्यू ट्रैवल और क्षय रोग उन्मूलन के प्रति प्रतिबद्धता में भारत के योगदान पर प्रकाश डाला।
  - विश्व स्तर पर **आयुष उपचार को बढ़ावा** देने के लिये **'हील बाय इंडिया'** पहल पर बल दिया।
  - सभी के लिये **समावेशी विकास और स्वास्थ्य सेवा** के महत्त्व पर बल दिया।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/76th-annual-world-health-assembly